VIDEO Play

AUDIO

भजन

पिया तेरे दर पे आना,सजदे में सिर झुकाना
मिल गया हो जैसे खजाना
तेरा दीदार हुआ,वाणी से जान लिया
झूठा संसार लगा,रूहों को

1–तेरी मेहर से माया के बंधन,तोड़ के हम सब आये यहां
हर पल मिले पिया प्यार तुम्हारा,और न कुछ भी चाहें यहां
बिन तेरे कुछ न चाहूं,दीदार तेरा मैं पाऊं
हो...झूठी जिमी में पिया,तुम्ही हो सहारा

2–बैठी हूँ चरणों तले तुम्हारे,खेल का कैसा पर्दा किया
नजरों से तेरी इश्क पीया है,अरस परस सुख हमने लिया
ये अर्जी है हमारी,जगा लो रूहें सारी
हो...ले चलो अब धाम जहां पे,प्यार ही प्यार तुम्हारा

3–एकदिली की शोभा ऐसी पाई,सारी न्यामते अर्श की समाई
हर पल धाम में साथ तुम्हारा, तेरी रूहें तुझमें समाई
देखूं जो नैन तुम्हारे,नैनों से जाम पिलाये
हो...नैनों की वो अदा तुम्हारी,कैसी प्यारी प्यारी